सबसे पुराने दोस्त : भारत और रूस

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

08 अक्टूबर, 2018

द हिन्दू

''आने वाले महीनों में भारत को रूस के साथ अपनी गहरी भागीदारी पर दृढ़ता से कार्य करने और उस पर कायम रहने की जरूरत है।''

भारत-रूस शिखर सम्मेलन पारम्परिक रूप से समय के साथ कम होता जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की पिछले हफ्ते दिल्ली की 22 घंटे की यात्रा कई संभावनाओं को जन्म देता है।

शुक्रवार को, दोनों देशों ने कई समझौते की घोषणा की, जिसमें 5.43 बिलियन डॉलर की एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम का सौदा, अंतरिक्ष में एक भारतीय को स्थानांतरित करने के लिए अंतरिक्ष सहयोग व्यवस्था और एक नए परमाणु संयंत्र पर कार्य योजना शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्री पुतिन ने संबंधों को विविधता देने और वर्तमान में 10 बिलियन डॉलर से कम द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने के प्रयास में एक व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। द्विपक्षीय भागीदारी में गति ऊर्जा क्षेत्र से आएगी।

हालांकि, जैसा की उम्मीद की जा रही थी कि दोनों पक्ष ओएनजीसी विदेश और गजप्रोम के बीच समझौते की घोषणा करेंगे, वैसा कुछ हुआ नहीं, लेकिन पाइपलाइन में कई अरबों डॉलर के निवेश और ऊर्जा सौदे शामिल हैं।

महत्त्वपूर्ण बात यह है कि श्री पुतिन की यात्रा के दौरान चर्चा किए गए समझौतों में भू-राजनीतिक प्रभाव निहित हैं। उदाहरण के लिए, एस -400 वायु रक्षा प्रणाली सौदा पर हस्ताक्षर, जो इसके आकार की तुलना में कहीं अधिक बड़ा परिणाम प्रदत्त करेगी।

यह रूस के साथ रक्षा सहयोग को गहरा बनाने की भारतीय इच्छा को दर्शाता है; साथ ही यह इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह यू.एस. चेतावनियों के बावजूद संभव हुआ है। यह सौदा अमेरिकी समझौते के साथ बेहतर अंत:क्रियाशीलता के लिए संचार संगतता और सुरक्षा समझौते (COMCASA) पर हस्ताक्षर करने के एक महीने हुआ है, जो यह संकेत देता है कि भारत किसी भी वैश्विक दबाव में नहीं है।

नई दिल्ली के 'रणनीतिक स्वायत्तता' और बहुपक्षीयता की इच्छा आने वाले महीनों में गंभीरता से परीक्षण किया जाएगा।

भारत और रूस के बीच सैन्य समझौता पाकिस्तान को यह याद दिलाने के लिए काफी है कि क्षेत्रीय राजनीति और रणनीति का क्या भविष्य होगा।

भारत को अक्टूबर, 2020 में मिसाइल रक्षा प्रणाली मिलनी शुरू हो सकती है, इसलिए पाकिस्तान को इससे पहले इसका तोड़ निकालना होगा।

हालांकि अखबार पाकिस्तान के खस्ताहाल आर्थिक हालात का भी जिक्र करता है, लेकिन फिर भी पाकिस्तान के लिए बड़े फैसले करने की जरूरत पर जोर देता है।

रूस के साथ अधिक रक्षा सौदे अमेरिका को सीएएटीएसए के तहत प्रतिबंधों से भारत को छूट देने के लिए तेजी से कठिन बना देंगे, जिसका उद्देश्य रूस, ईरान और उत्तरी कोरिया के साथ रक्षा और ऊर्जा सौदे को कम करने के उद्देश्य से है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई वार्षिक सालाना सम्मेलन के बाद नई दिल्ली और रूस ने इस मिसाइल सौदे पर हस्ताक्षर किए।

नई दिल्ली में रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ साझा बयान जारी करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत रूस के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता देता है।

रूस हमेशा से भारत की प्रगतिशीलता का हिस्सा रहा है। वाशिंगटन ने पहले से ही एस-400 सौदे पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि कोई छूट 'देश' आधार पर नहीं, बल्कि 'लेन-देन' के आधार पर होगी।

देखा जाये तो किसी भी मामले में, छूट स्वीकार करने से भारत को रूसी सैन्य हार्डवेयर से दूर होना पड़ेगा।

सीएएटीएसए और ईरान पर यू.एस. की प्रस्तावित प्रतिबंध पर, जो 4 नवंबर को लागू होगी, भारत को कुछ कठिन निर्णय लेने की आवश्यकता है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के खतरे से निपटने के लिए भारत के साथ सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

दोनों देशों ने बदलते विश्व में बहु-ध्रुवीय और बहु-स्तरीय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर एकमत होने पर जोर दिया।

* * *

भारत-रूस समझौता

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में भारत और रूस ने एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की खरीद हेतु समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।
- इसके अतिरिक्त रूस और भारत के बीच अंतरिक्ष में सहयोग हेतु एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए।
- अंतरिक्ष सहयोग में हुए समझौते के तहत, रूस के साइबेरिया के नोवोसिबिर्स्क में भारत एक मॉनिटरिंग सेंटर बनाएगा।
- इसके अतिरिक्त रूस ने भारत के गगनयान मिशन में सहायता दिए जाने का भी भरोसा जताया है।

भारत और रूस के मध्य हस्ताक्षरित 8 समझौते

- भारत के विदेश मंत्रालय और एमईए के मध्य 2019-2023 की अवधि के लिए परामर्श प्रोटोकॉल स्थापित करने हेतु समझौता ज्ञापन।
- रूसी संघ के आर्थिक विकास मंत्रालय और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रांस्फोर्मिंग इंडिया के बीच समझौता ज्ञापन।
- मानव अंतरिक्ष अभियान हेतु भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और रूस की अंतरिक्ष एजेंसी 'रोस्कोमोस' के बीच समझौता ज्ञापन।
- भारतीय और रूसी रेलवे मंत्रालय के मध्य समझौता ज्ञापन।
- परमाणु क्षेत्र में सहयोग क्षेत्रों के प्राथमिकता और कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना।
- परिवहन शिक्षा में विकास सहयोग हेतु रूसी परिवहन मंत्रालय और भारतीय रेलवे के बीच समझौता ज्ञापन।
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के क्षेत्र में सहयोग हेतु भारत के राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) तथा रूसी लघु और मध्यम व्यापार निगम (आरएसएमबी) के मध्य समझौता ज्ञापन।
- रूसी प्रत्यक्ष निवेश निधि (आरडीआईएफ); पीजेएससी फोसाग्रो (फॉसएग्रो) और इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) के मध्य उर्वरक क्षेत्र में सहयोग स्थापित करने हेतु समझौता।

भारत के लिए एस-400 प्रणाली का महत्व

- भारत अपने वायु रक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए लंबी दूरी की मिसाइल प्रणाली खरीदना चाहता है। भारत-चीन की लगभग 4,000 किलोमीटर लंबी सीमा के लिए यह महत्वपूर्ण है।
- चीन के पास पहले से ही एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली है जिसकी आपूर्ति उसे आरंभ भी हो चुकी है।
- हस्ताक्षर किए जाने वाले समझौतों से रक्षा, अंतरिक्ष, व्यापार, ऊर्जा और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

* * *

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. रूस-भारत समझौते के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. भारत को 2019 में मिसाइल रक्षा प्रणाली मिलनी शुरू हो जाएगी।
2. ओएनजीसी विदेश एवं गजप्रोम के मध्य पाइपलाइन समझौता संपन्न हुआ।
3. रूस-भारत को मानव विहीन अंतरिक्ष यात्रा में सहयोग करेगा।
4. रूस-भारत में एक परमाणु संयंत्र स्थापित करेगा।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 4
(b) 1, 2 और 3
(c) 1, 2 और 4
(d) उपर्युक्त सभी

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. अमेरिकी संधि (COMCASA) को मानने हेतु भारत बाध्य है।
2. सीएएटीएसए प्रतिबंध से भारतीय हित प्रभावित होंगे।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

3. निम्नलिखित में कौन-कौन देश सीएएटीएसए एक्ट से प्रभावित होंगे?

1. रूस 2. इरान
3. पाकिस्तान 4. उत्तर कोरिया
5. इराक

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

(a) 1, 2 और 5 (b) 1, 2, 4 और 5
(c) 1, 2 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

नोट :
06 अक्टूबर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(d), 2(d), 3(d) होगा।

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. "भारत-रूस समझौता भारतीय रणनीतिक स्वायत्तता की सर्वोच्च पराकाष्ठा है।" व्याख्या करें।

(250 शब्द)